सायंकाल आरती श्री चिन्तपुरनी माता

संझ भई दिन बीत गयो मां.....२

हो रही जय जय कार मंदिर बिच आरती जय मां....

किन किन मैया जी तुहाडा भवन बनाया..२

किन किन चंवर झुलाओ मंदिर बिच आरती जय मां

पंज पंज पांडव मैया भवन बनाया.....२

अर्जुन चंवर झुलाओ मंदिर बिच आरती जय मां....

नंगे नंगे पैरी माता अकबर आया.....२

सोने दा छतर चढ़ाओ मंदिर बिच आरती जय मां....

सूहा सूहा चोला माँ दे अंग विराजे.....२
केसर तिलक लगायो मंदिर बिच आरती जय मां....
सात सुपारी माता धवजा ललेरा.....२
पहलड़ी भेंट चढ़ाओ मंदिर बिच आरती जय मां....
कपिला गऊ दा माता दूध मंगायो २
माता नू भोग लगायो मंदिर बिच आरती जय मां....
ब्रह्मा वेद पढ़े दर तुहाडे.....२
शंकर ध्यान लगायो मंदिर बिच आरती जय मां....
काहे नाल माता जी तुहाडा भवन लपायो..२
काहे दा चौक पुरायो मंदिर बिच आरती जय मां....
गऊयां दे गोबर तुहाडा भवन लपायो.....२
मोतीयां चौक पुरायो मंदिर बिच आरती जय मां....
कौन सुहागन दीवा बालयो मां.....२
कौन जगे सारी रात मंदिर बिच आरती जय मां....
ध्यानु दीयां भैणा दीवा बालयो मां.....२
जोत जगेगी सारी रात मंदिर बिच आरती जय मां...
ध्यानु भगत माता तुहाडा यश गावे.....२
बाणे दी लाज रखायो मंदिर बिच आरती जय मां....
तुहानु ध्यावां मैया तुहाडा यश गावां.....२
चित चरणा बिच लायो मंदिर बिच आरती जय मां